प्रश्न: यूनानियों ने फ़िलिप्पुस के पास आकर यह क्यों कहा, “हम यीशु को देखना चाहते हैं”? इस घटना का मुख्य विषय क्या है और यह क्यों लिखी गई है?

उत्तर: यीशु के समय से लेकर प्रेरितों के युग तक, दो मुख्य समूह थे जो परमेश्वर के सत्य को पूरी रीति से समझना चाहते थे।

पहला समूह था यहूदी, और दूसरा समूह था यूनानी (ग्रीक)। दोनों के बीच सबसे बड़ा अंतर यह था कि यहूदी चिह्न (signs) मांगते थे, जबकि ग्रीक लोग ज्ञान और बुद्धि की खोज करते थे।

1 कुरिन्थियों 1:22–23

[22] क्योंकि यहूदी चिन्ह मांगते हैं, और यूनानी ज्ञान
खोजते हैं;
[23] परंतु हम मसीह को क्रूस पर चढ़ाए हुए का प्रचार करते
हैं, जो यहूदियों के लिये ठोकर का कारण और अन्यजातियों के लिये मूर्खता है।

यह अंतर एक महत्वपूर्ण धर्मशास्त्रीय सत्य को दर्शाता है: यहूदी मन परमेश्वर की शक्ति के दृश्य और प्रत्यक्ष चिन्हों पर केंद्रित था—क्योंकि उनके इतिहास में परमेश्वर ने चमत्कारों

के माध्यम से स्वयं को प्रकट किया था (जैसे लाल समुद्र का फटना, स्वर्ग से मन्ना, भविष्यद्वक्ताओं के चमत्कार)।
दूसरी ओर, यूनानी दार्शनिक सोच से प्रभावित थे, और मानते थे कि परमेश्वर को जानने का मार्ग बुद्धि और तर्क से होकर गुजरता है।

जब यीशु आए, तो वे दोनों समूहों की गहरी खोज का उत्तर थे—एक ऐसा मसीह, जिसने दिव्य सामर्थ के चिन्ह भी दिए और परमेश्वर की बुद्धि भी प्रकट की। परंतु फिर भी, बहुतों ने उन्हें अस्वीकार कर दिया।

यीशु का पुनरुत्थान का चिन्ह

यहूदियों की अपेक्षा के विपरीत, यीशु ने उन्हें वही चिन्ह नहीं दिया जिसकी वे मांग कर रहे थे, परंतु उनसे कही अधिक गहरा और महत्वपूर्ण चिन्ह दिया—योना का चिन्ह, जो उनके मृत्यु, दफनाए जाने और पुनरुत्थान का संकेत था।

मत्ती 12:38–40

[38] …“गुरु, हम तुझ से एक चिन्ह देखना चाहते हैं।”
[39] परंतु उन्होंने कहा, “दुष्ट और व्यभिचारी पीढ़ी चिन्ह मांगती है, पर उसे योना भविष्यद्वक्ता का चिन्ह छोड़ कोई

चिन्ह न दिया जाएगा।
[40] क्योंकि जैसे योना तीन दिन और तीन रात बड़ी मछली के पेट में रहा, वैसे ही मनुष्य का पुत्र तीन दिन और तीन रात पृथ्वी के हृदय में रहेगा।”

यीशु का पुनरुत्थान ही उनका सर्वोच्च चिन्ह है—जो यह सिद्ध करता है कि वे परमेश्वर के पुत्र हैं (रोमियों 1:4)।
मसीही विश्वास का केंद्र यही है—पाप और मृत्यु पर विजय।

यूनानियों की बुद्धि की खोज

यूनानी दार्शनिक सदैव परमेश्वर को तर्क और विचार से समझना चाहते थे। परंतु परमेश्वर का पूर्ण प्रकाशन मसीह में आया—जो मानव बुद्धि से कहीं बढ़कर है।

प्रेरितों के काम 17:22–23

[22] “हे अथेनियों, मैं देखता हूं कि तुम हर बात में बहुत धार्मिक हो…
[23] मैंने एक वेदी देखी जिस पर लिखा था: ‘अज्ञात देवता के लिये।’
अतः जिसे तुम अनजाने में पूजते हो, उसी का मैं तुम्हें

समाचार देता हूँ।”

यूनानी सत्य की खोज में थे, परंतु अभी भी परमेश्वर के वास्तविक ज्ञान से दूर थे। पौलुस ने उन्हें यह बताया कि जिस परमेश्वर को वे नहीं जानते थे, वही यीशु मसीह में प्रकट हुआ है।

1 कुरिन्थियों 1:24

मसीह “परमेश्वर की सामर्थ और परमेश्वर की बुद्धि” हैं।

यूनानियों का यीशु के पास आना

यूनानियों का यीशु को देखने के लिए आना यह संकेत है कि अब पूरी दुनिया सत्य की खोज में मसीह की ओर मुड़ रही थी।

यूहन्ना 12:20–26

[21] “हे प्रभु, हम यीशु को देखना चाहते हैं।”

यीशु ने उत्तर में कहा कि उनकी महिमा का समय आ गया है—जो क्रूस, मृत्यु और पुनरुत्थान के द्वारा पूरी होने वाला था।
वे एक गेहूँ के दाने की मिसाल देते हैं—जब तक वह मर न जाए, बढ़ता नहीं।

उनकी मृत्यु के द्वारा अनेक लोगों को जीवन मिलेगा।

धर्मशास्त्रीय महत्व

यूनानियों का यीशु को ढूंढना यह दर्शाता है कि मसीह का मिशन सार्वभौमिक है—वे केवल यहूदियों के नहीं, पूरी दुनिया के उद्धारकर्ता हैं (यूहन्ना 3:16)।

यीशु ही वह है जहाँ:

विश्वास और तर्क एक होते हैं,
दृश्य और अदृश्य मिलते हैं,
मानव की खोज और परमेश्वर का प्रकाशन एक साथ आते हैं।

वह ही परमेश्वर का लोगोस (वचन) है, जिसमें सारी बुद्धि छिपी है (कुलुस्सियों 2:3)।

आज के लिए शिक्षा

आज भी यीशु हर क्षेत्र में प्रकट होते हैं—वैज्ञानिकों, शासकों, सैनिकों, विद्वानों, डॉक्टरों, गरीबों और अमीरों के बीच।
जो भी सच्चे मन से खोजता है, वह यीशु को पाता है।

परमेश्वर की सृष्टि (रोमियों 1:20), शास्त्र, और विश्वासियों के जीवन—तीनों में यीशु प्रकट होते हैं।

क्या आपने मसीह पर विश्वास किया है?

सबसे बड़ा प्रश्न है—क्या आपने मसीह को स्वीकार किया है? उन्होंने क्रूस पर मृत्यु और पुनरुत्थान के द्वारा उद्धार का काम पूरा कर दिया है।

इफिसियों 2:8–9

हम अनुग्रह से, विश्वास के द्वारा बचाए जाते हैं—यह हमारा नहीं, परमेश्वर का वरदान है।

रोमियों 10:9

जो अपने मुँह से स्वीकार करे कि यीशु प्रभु हैं, और अपने
हृदय में विश्वास करे कि परमेश्वर ने उन्हें मृतकों में से जिलाया, वह उद्धार पाएगा।

आज ही यीशु को ग्रहण करें और उस शांति और आनंद का अनुभव करें जो केवल उन्हीं में मिलता है।

परमेश्वर आपको आशीष दे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp